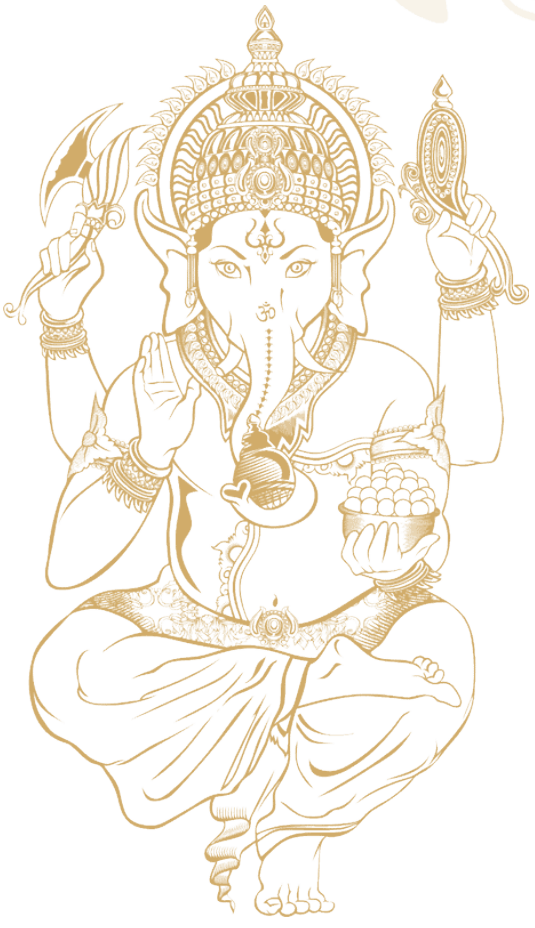

Mr.suricha

14 Nov 1983

08:05 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121231002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/11/1983**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**20:05:00 घंटे**
इष्ट	33:25:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:43:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:41 घंटे
साम्पातिक काल	23:16:24 घंटे
सूर्योदय	06:42:39 घंटे
सूर्यास्त	17:28:12 घंटे
दिनमान	10:45:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:01:23 तुला
लग्न के अंश	08:55:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सुगन्धा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:55:33	327:12:40	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			तुला	28:01:23	01:00:25	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	19:14:14	11:58:25	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			कन्या	04:06:42	00:35:33	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	06:44:13	01:32:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु			वृश्चि	21:38:42	00:12:58	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	11:47:15	01:03:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	नीच राशि
शनि			तुला	15:19:58	00:07:07	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	22:34:51	00:02:14	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	22:34:51	00:02:14	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	14:39:50	00:03:34	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
नेप			धनु	04:00:04	00:01:55	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	06:42:48	00:02:18	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	24:30:43	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:36

लग्न-चलित

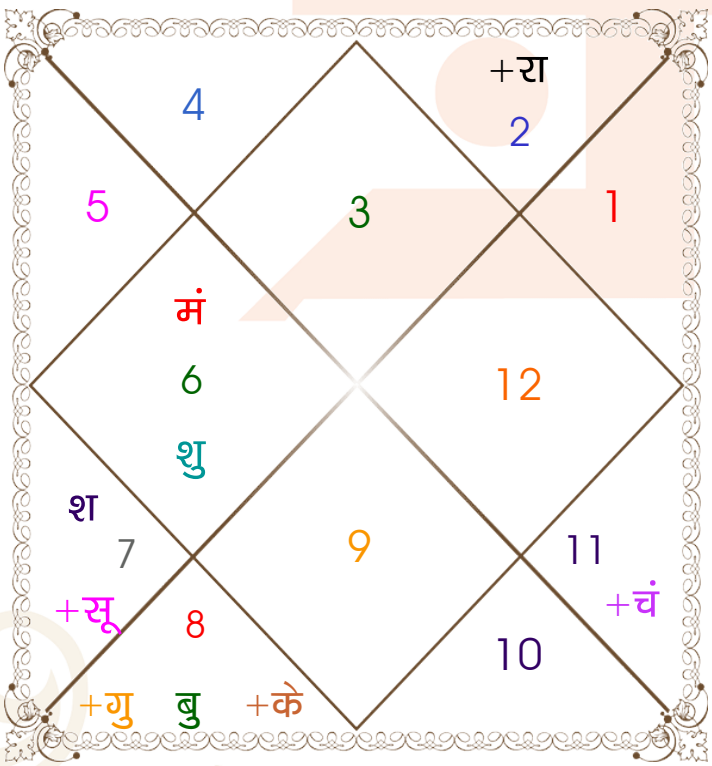

चन्द्र कुंडली

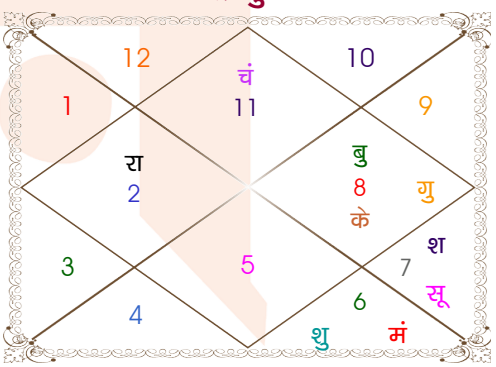

नवमांश कुंडली

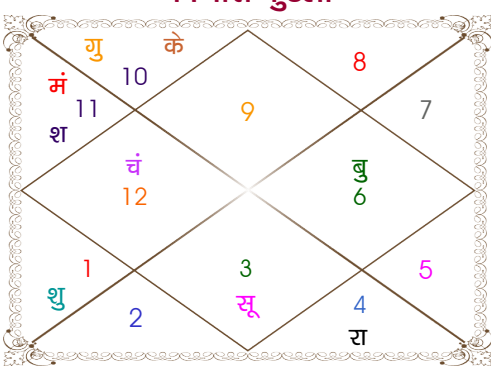

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 0 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/11/1983		24/11/1984		24/11/2000		25/11/2019		24/11/2036	
24/11/1984		24/11/2000		25/11/2019		24/11/2036		25/11/2043	
	00/00/0000	गुरु	13/01/1987	शनि	28/11/2003	बुध	23/04/2022	केतु	23/04/2037
	00/00/0000	शनि	26/07/1989	बुध	07/08/2006	केतु	20/04/2023	शुक्र	23/06/2038
	00/00/0000	बुध	01/11/1991	केतु	16/09/2007	शुक्र	18/02/2026	सूर्य	29/10/2038
	00/00/0000	केतु	07/10/1992	शुक्र	16/11/2010	सूर्य	25/12/2026	चंद्र	30/05/2039
	00/00/0000	शुक्र	08/06/1995	सूर्य	29/10/2011	चंद्र	26/05/2028	मंगल	26/10/2039
	00/00/0000	सूर्य	26/03/1996	चंद्र	29/05/2013	मंगल	23/05/2029	राहु	12/11/2040
	00/00/0000	चंद्र	26/07/1997	मंगल	08/07/2014	राहु	10/12/2031	गुरु	19/10/2041
	14/11/1983	मंगल	02/07/1998	राहु	14/05/2017	गुरु	17/03/2034	शनि	28/11/2042
मंगल	24/11/1984	राहु	24/11/2000	गुरु	25/11/2019	शनि	24/11/2036	बुध	25/11/2043

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/11/2043		25/11/2063		25/11/2069		25/11/2079		25/11/2086	
25/11/2063		25/11/2069		25/11/2079		25/11/2086		15/11/2103	
शुक्र	27/03/2047	सूर्य	14/03/2064	चंद्र	25/09/2070	मंगल	22/04/2080	राहु	07/08/2089
सूर्य	26/03/2048	चंद्र	12/09/2064	मंगल	26/04/2071	राहु	11/05/2081	गुरु	01/01/2092
चंद्र	25/11/2049	मंगल	18/01/2065	राहु	25/10/2072	गुरु	17/04/2082	शनि	07/11/2094
मंगल	25/01/2051	राहु	13/12/2065	गुरु	24/02/2074	शनि	27/05/2083	बुध	26/05/2097
राहु	25/01/2054	गुरु	01/10/2066	शनि	25/09/2075	बुध	23/05/2084	केतु	14/06/2098
गुरु	25/09/2056	शनि	13/09/2067	बुध	24/02/2077	केतु	19/10/2084	शुक्र	14/06/2101
शनि	25/11/2059	बुध	20/07/2068	केतु	25/09/2077	शुक्र	19/12/2085	सूर्य	09/05/2102
बुध	25/09/2062	केतु	24/11/2068	शुक्र	27/05/2079	सूर्य	26/04/2086	चंद्र	08/11/2103
केतु	25/11/2063	शुक्र	25/11/2069	सूर्य	25/11/2079	चंद्र	25/11/2086	मंगल	15/11/2103

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 0 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करनी होगी। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होती है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलती रही तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगी।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहती हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाती हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकती हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेती हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेती हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहती हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करती हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाती। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही है। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेती हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करती हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करती हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहती हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देती हैं। निम्नांकित विन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।